मॉनसून में उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए बीएसईएस ने किए पुख्ता इंतजाम

- ऑयल सर्किट ब्रेकर्स की जगह लगाए गैस सर्किट ब्रेकर्स
- प्लिंथ और पोल पर लगे ट्रांसफॉर्मरों पर जाली लगाई
- निचले इलाकों में लगे ट्रांसफॉर्मरों की ऊंचाई बढ़ाई

नई दिल्लीः 29 जुलाई, 2010। दिल्ली में मॉनसून दस्तक दे चुका है। ताकि बारिश के इस मौसम में आपका मजा किरकिरा न हो, और आपको निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलती रहे, इसके लिए बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। लेकिन मॉनसून एक ओर अपने साथ जहां खुशियां लेकर आता है, वहीं दूसरी ओर कुछ अलग तरह की समस्याएं भी लाता है, जो बिजली कंपनियों के प्रभावक्षेत्र या वश में नहीं होतीं। बहरहाल, यदि कुछ सामान्य बातों का ध्यान रखा जाए, तो बीएसईएस और उसके उपभोक्ता मिलकर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि मॉनसून दुर्घटनामुक्त रहे।

<u>मॉनसून में होने वाली आम दिक्कतें:</u>
भारी बारिश, जहां तहां जमा पानी, तेज हवाएं, उखड़े पेड़ और टूटी टहनियां ... ये सब कभी–कभी बिजली उपकरणों को क्षति पहुंचा देते हैं। ऐसे में, मानवीय जिंदगी को बचाने के लिए प्रभावित इलाके में बिजली आपूर्ति बंद करना हमारी मजबूरी होती है।

<u>उपकरणों की मरम्मत व रखरखाव का काम पूरा:</u>
मॉइश्चर यानी नमी की वजह से होने वाली परेशानियों के मद्देनजर, बीवाईपीएल और बीआरपीएल ने पिछले सालों के दौरान अपने 11 केवी ग्रिड सब–स्टेशनों में ऑयल आधारित सर्किट ब्रेकरों की जगह, गैस आधारित सर्किट ब्रेकर लगा दिए हैं। बीआरपीएल ने 3500 ऐसे गैस आधारित सर्किट ब्रेकर्स लगाए हैं, जबकि बीवाईपीएल ने 3219 । इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि मॉइश्चर की वजह से होने वाली ट्रिपिंग अब काफी कम हो जाएगी। इसके अलावा, ग्रिडों में 11 केवी फीडर पैनलों की जगह वैक्यूम सर्किट ब्रेकर और एसएफ 6 सर्किट ब्रेकर भी लगाए गए हैं। बीआरपीएल ने कुल 71 ग्रिडों में वैक्यूम सर्किट ब्रेकर्स व एसएफ 6 लगाए हैं, जबकि बीवाईपीएल ने कुल 49 ग्रिडों में।

प्लिंथ और पोल पर लगे ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर जाली लगा दी गई है। जिन जगहों पर जालियां टूटी हुई थीं, या नशेड़ियों ने उन्हें तोड़ डाला था, उसकी मरम्मत भी कर दी गई है। निचले इलाकों में लगे ट्रांसफॉर्मरों की ऊंचाई बढ़ाकर उन्हें भी सुरक्षित लेवल पर कर दिया गया है। ग्रिड सब स्टेशनों पर अनाधिकृत लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए गेट पर ताले जड़ दिए गए हैं। संबंधित एजेंसियों से अनुमति लेकर, बीएसईएस के आवरहेड केबल्स को छू रहे पेड़ों की टहनियों की प्रूनिंग भी कर दी गई है।

इसके अलावा, उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए बीवाईपीएल और बीआरपीएल मैनेजमेंट ने अपने ओएंडएम कर्मियों को साफ निर्देश दिए हैं कि जैसे ही उन्हें बिजली गुल होने की जानकारी मिले, वे युद्ध स्तर पर आपूर्ति बहाल करने में जुट जाएं।

<u>हमें बताएं:</u>
हालांकि बीवाईपीएल और बीआरपीएल ने अपने सभी प्लिंथ और पोल पर लगे ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर जालियां लगा दी है, लेकिन कई बार असामाजिक तत्व इन्हें उखाड़कर ले जाते हैं या क्षति पहुंचा देते हैं। बीएसईएस ने आरडब्ल्यूए और आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि उन्हें ऐसा कुछ दिखे, तो वे 39999707 (बीआरपीएल) और 39999808 (बीवाईपीएल) हमें सूचित करें।

<u>घर में जरूर रखें एक टेस्टर:</u>
बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि जिस तरह आम घरों में थर्मोमीटर होता है, उसी तरह हर व्यक्ति को अपने यहां एक टेस्टर जरूर रखना चाहिए। जैसे ही लगे कि घर की दीवार या स्विच गीली है, तो छूने से पहले उसे टेस्टर से जरूर चेक कर लें। मॉनसून के दौरान गीली दीवारों या स्विचों में करंट आने का खतरा रहता है। अपने घर की आंतरिक वायरिंग भी चेक करवा लें। हालांकि हमने मॉनसून के दौरान उपभोक्ताओं की सुरक्षा को देखते हुए पर्याप्त इंतजाम किए हैं, लेकिन यदि बिजली के किसी उपकरण के आसपास पानी जमा हो, तो उस पानी में न जाएं... जिंदगी ज्यादा कीमती है।

<u>बच्चों को बताएं:</u>
बीआरपीएल सीईओ श्री गोपाल सक्सेना के मुताबिक– मॉनसून में जगह जगह पानी जमा हो जाने से बिजली से जुड़ी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। हम उपभोक्ताओं से अनुरोध करते हैं कि वे बिजली के खंभों, सब स्टेशनों, ट्रांसफॉर्मरों और स्ट्रीटलाइटों से दूर रहें। साथ ही, अपने बच्चों को भी बताएं कि इन उपकरणों के इर्द–गिर्द न खेलें, चाहे उपकरणों के चारों ओर जालियां ही क्यों न लगी हों। ये छोटे– छोटे कदम दुर्घटना–रहित मॉनसून सुनिश्ति करने में मदद करेंगे।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999415 / 9350130304